web-site: www.punarjagaransamitipratapgarh.org
e-mail : saketpratapgarh@rediffmail.com

नैक मूल्यांकित ग्रेड 'बी'

9838107210
9838503397

साकेत गर्ल्स पी0जी0 कालेज

(सम्बद्ध : प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज)

गाय घाट रोड, दहिलामऊ, प्रतापगढ़

दिनांक : 17/10/2019

आख्या

साकेत गर्ल्स पी0जी0 कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए साइकिल मैन श्री हीरा लाल यादव द्वारा ''ग्रीन और क्लीन'' प्रतापगढ़ के निर्माण में युवा वर्ग के दायित्व का बोध कराने के लिए पर्यावरण के प्रति जागरूक किया, उन्होने कहा कि प्रत्येक छात्र को प्रतिवर्ष एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। वृक्ष हमारी धरा के आभूषण है और इनका संरक्षण कर के हम अपने जीवन को सुरक्षित कर सकते है। वृक्ष हमें सांस के लिए ऑक्सीजन, भोजन के लिए लकड़ी और कृषि के उपयोग में खाद के लिए पत्तियाँ देते है। विभिन्न रोगो में उपचार के लिए औषधि स्वरूप भी इनका प्रयोग किया जाता है। इनकी जड़े हमारी भूमि को क्षरण से बचाती है और साथ-साथ उपजाऊ बनाये रखने में मद्द करती है, ऐसे है ये हमारे मित्र वृक्षगण, इन्हे नुकसान पहुँचाकर या चोट पहुँचाकर हम अपने को चोट पहुँचा रहे है। उन्होने सभी छात्राओं को संकल्प दिलाया कि वे अपने घर के आस-पास पीपल, पाकड, बरगद, नीम और गूलर के एक-एक वृक्ष जरूर लगायेगें और उन्हे संरक्षित करके बड़ा करेगें।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0(श्रीमती)नीलिमा श्रीवास्तव ने वृक्षों की उपयोगिता पर व्यापक चर्चा की और राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए वृक्षारोपण कितना सहायक है इस विषय पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र है 'मैं नही बल्कि आप' और वृक्ष भी यही कहते है कि अपने फलों का उपयोग मैं नही तुम करो। इस प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल मंत्र का मूल स्वरूप ही वृक्ष है और हमें इनका संरक्षण करना ही चाहिए यदि हमें जीवित रहना है तो वृक्षों को संरक्षित करना ही होगा। इस अवसर पर समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने हरा वस्त्र धारण कर प्रतापगढ़ हो हरा-भरा रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की छात्राओं कु0 काजल, कु0 अंशू, कु0 नेहा द्वारा प्रस्तुत साई वन्दना, सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत एवं आभार प्रबन्धक श्री अरविन्द श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की छात्रा कु0 नाज़मीन द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के तीनो इकाईयों के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0अनीता पाण्डेय, श्री अनन्त प्रकाश शुक्ल एवं डॉ0 प्रतिभा मिश्रा द्वारा किया गया।

(डॉ0(श्रीमती)नीलिमा श्रीवास्तव)
प्राचार्या

GREEN PLANTATION PROGRAMME
SAKET GIRLS PG COLLEGE

साकेत गर्ल्स कालेज में पर्यावरण के प्रति किया जा रहा जागरूक व जागरण

छात्राओं को पौधे लगाने का दिलाया संकल्प

संसू, प्रतापगढ़ : साकेत गर्ल्स पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में साइकिलमैन हीरालाल यादव ने छात्राओं को पौधे लगाने का संकल्प दिलाया। कहा कि प्रत्येक छात्र छात्राओंको हर साल पौधे लगाना चाहिए।

वृक्ष हमारी धरा के आभूषण हैं, इनका संरक्षण करके हम अपने जीवन को सुरक्षित कर सकते हैं। वृक्ष हमें सांस के लिए आक्सीजन, भोजन के लिए लकड़ी खेती के उपयोग मे खाद के लिए पत्तियां देते हैं। प्राचार्या डा.नीलिमा श्रीवास्तव ने वृक्षों की उपयोगिता पर चर्चा की। इसके पूर्व कार्यक्रम के शुभारंभ में छात्रा काजल, अंशू, नेहा ने साई वंदना, सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तत किया।

वृक्ष हमारे आभूषण, इनके संरक्षण से जीवन होता है स्वच्छ और सुरक्षित

प्रतापगढ़। साकेत गर्ल्स पी0जी0 कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए साइकिल मैन हीरा लाल यादव द्वारा हरितग्रीन और क्लीनग्रुह प्रतापगढ़ के निर्माण में युवा वर्ग के दायित्व का बोध कराने के लिए पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

साकेत गर्ल्स पीजी कालेज के एनएसएस में पहुंचे साइकिल मैन हीरालाल यादव

उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र को प्रतिवर्ष एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। वृक्ष हमारी धरा के आभूषण हैं और इनका संरक्षण करके हम अपने जीवन को सुरक्षित कर सकते हैं। वृक्ष हमें सांस के लिए ऑक्सीजन, भोजन के लिए लकड़ी और कृषि के उपयोग में खाद के में उपचार के लिए औषधि स्वरूप भी इनका प्रयोग किया जाता है। इनकी जड़ें हमारी भूमि को क्षरण से बचाती हैं और साथ-साथ उपजाऊ बनाये रखने में मद्द करती हैं। ऐसे है ये हमारे मित्र वृक्षगण, इन्हे नुकसान पहुँचाकर या चोट पहुँचाकर हम अपने को चोट पहुँचा रहे हैं।

उन्होंने सभी छात्राओं को संकल्प दिलाया कि वे अपने घर के आस-पास पीपल, पाकड, बरगद, नीम और गूलर के एक-एक वृक्ष जरूर लगायेगें और उन्हें संरक्षित करके बड़ा करेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 नीलिमा श्रीवास्तव ने वृक्षों की उपयोगिता बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए वृक्षारोपण कितना

डाला। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की छात्राओं काजल, अंशू, नेहा द्वारा प्रस्तुत साई वन्दना, सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की छात्रा नाजमीन द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के तीनों इकाईयों के

साकेत गर्ल्स पीजी कालेज में साइकिल मैन को सम्मानित करते प्राचार्य व प्रबंधक

द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत एवं आभार प्रबन्धक अरविन्द श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 अनीता पाण्डेय, अनन्त प्रकाश शुक्ल एवं डॉ0 प्रतिभा मिश्रा द्वारा किया गया।

web-site: www.punarjagaransamitipratapgarh.org
e-mail : saketpratapgarh@rediffmail.com

9838107210
9838503397

साकेत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज

गाय घाट रोड, दहिलामऊ, प्रतापगढ़

दिनांक : 31/05/2020

आख्या

आज दिनांक 31/05/2020 को प्रात: 10:30 से 11:30 बजे तक साकेग ग्रुप ऑफ कालेज के द्वारा लाईव आर्ट कम्पटीशन आयोजित किया गया जिसके निर्णायक डिज़नी चैनल पर ''आर्ट अटैक'' कार्यक्रम के प्रणेता विश्वविख्यात आर्टिस्ट श्री गौरव जुयाल जी रहे। ऑनलाईन लाईव कम्प्टीशन के उपरान्त श्री गौरव जी ने कला को कैरियर के रूप में प्रयोग किये जाने के टिप्स दिये। अपराहन 12:00 बजे से अपरहान 1:30 तक वे छात्राओं के साथ लाइव रहे। कार्यक्रम में साकेत ग्रुप ऑफ कॉलेज की छात्राओं के साथ-साथ देश-विदेश के प्रतिष्ठित नागरिकों ने भी कार्यक्रम का आनन्द लिया। श्री गौरव ने बताया कि जब हम छोटे बच्चों के लिए खिलौने का निर्माण करते है तो हमें बाल मनोविज्ञान का पूरा ध्यान रखना होगा। हमें अपने जैसी ही डॉल बनानी चाहिए न कि काल्पनिक। हमें ऐसे मॉडल नही देने होगें जो बच्चों की कल्पना के बाहर के हो। उन्होने कहा अनुभव बताता है कि वे खिलौने ज्यादा लोकप्रिय हुये है जो हमारे बीच में उपस्थित जीवों, व्यक्तियों एवं सामाग्रियों से ज्यादा मेल खाते है। उन्होने कुछ मॉडल ऑनलाईन प्रस्तुत किये और बताया कि अगर इन खिलौने के बनाने की सामाग्री कठोर हो जायेगी या ये खिलौने भारी हो जायेगें तो छोटे बच्चों में कम लोकप्रिय होगें जबकि अगर ये मुलायम और सजीव होगें तो अधिक लोकप्रिय होगें। उन्होने विभिन्न प्रकार के पर्दो की डिजाइन प्रस्तुत करते हुए छात्राओं को बताया कि कौन सा मैटेरियल और कौन से डिजाइन ज्यादा लोकप्रिय हो सकते है। उन्होने कहा कि समूह में कार्य करना और समूह के स्किल का उपयोग करके बाजार पर पकड़ बनाना ज्यादा आसान होता है और किसी को व्यापार के लिए फंड मैनेजमेन्ट और मधुर व्यवहार, क्वालिटी के साथ-साथ बहुत ही आवश्यक होता है। आपके व्यापार की उन्नति इस बात पर भी आधारित होती है कि आप उपभोक्ता में कितने लोकप्रिय है।

कार्यक्रम के संयोजक श्री अच्युत शुक्ला जी को उन्होने इस कार्यक्रम के लिए बधाई देते हुए कहा कि बच्चों के द्वारा प्रस्तुत चित्र यह बताते है कि श्री शुक्ला जी ने कितना ज्यादा इनके साथ मेहनत की है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत चित्र में से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की घोषणा वे तुरन्त नही कर सके क्योकि सभी चित्र बहुत उन्नत किस्म के थे। उन्होने कहा कि चित्र के विश्लेषण के बाद वे परिणाम घोषित करेगें। उन्होने श्री अच्युत शुक्ला जी को आश्वस्त किया कि साकेत परिवार के इस समूह को वे प्रोत्साहित करेगें और समय-समय पर बच्चों की कृतियों की मार्केटिंग के लिए वे कार्य करते रहेगे। श्री जुयाल ने ऐसी अनेको वेबसाइट के उर्ध्दत किया जहाँ पर बच्चों की इन कलाकृतियों का उचित मूल्य मिल सकता है। उन्होने कहा कला केवल चित्रकारी तक सीमित नही है चाहे संगीत हो या वेबडिज़ाइनिंग हो या आर्टिफिशियल ज्वैलरी या फिर क्राफ्ट के क्षेत्र हो ये सभी आज विश्व के लिए अनूठी देन है जिसका हमें मार्केटिंग करने पर अच्छा और उचित मूल्य ले सकता है।

प्रबन्धक श्री अरविन्द श्रीवास्तव एवं श्री हर्षित श्रीवास्तव ने श्री गौरव जुयाल और सभी लोगों का जिसने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया उनका स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

(डॉ0(श्रीमती)नीलिमा श्रीवास्तव)
प्राचार्या

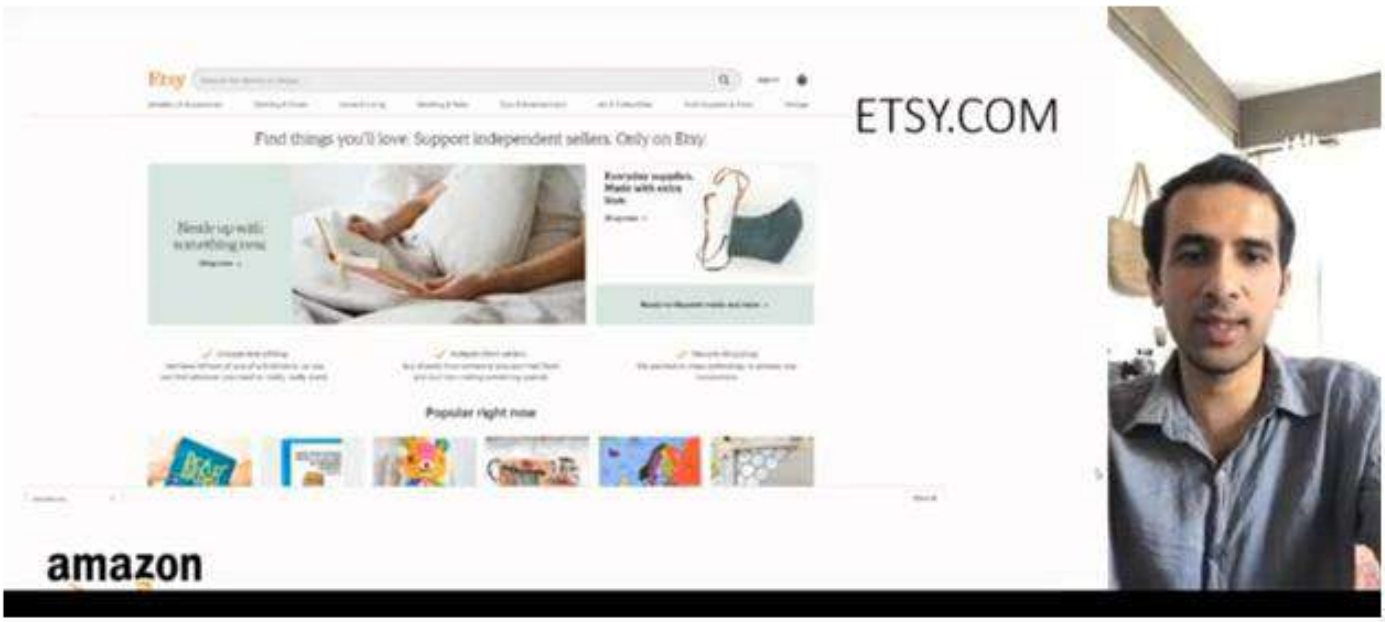
Etsy
Find things you'll love. Support independent sellers. Only on Etsy
Popular right now
ETSY.COM
amazon

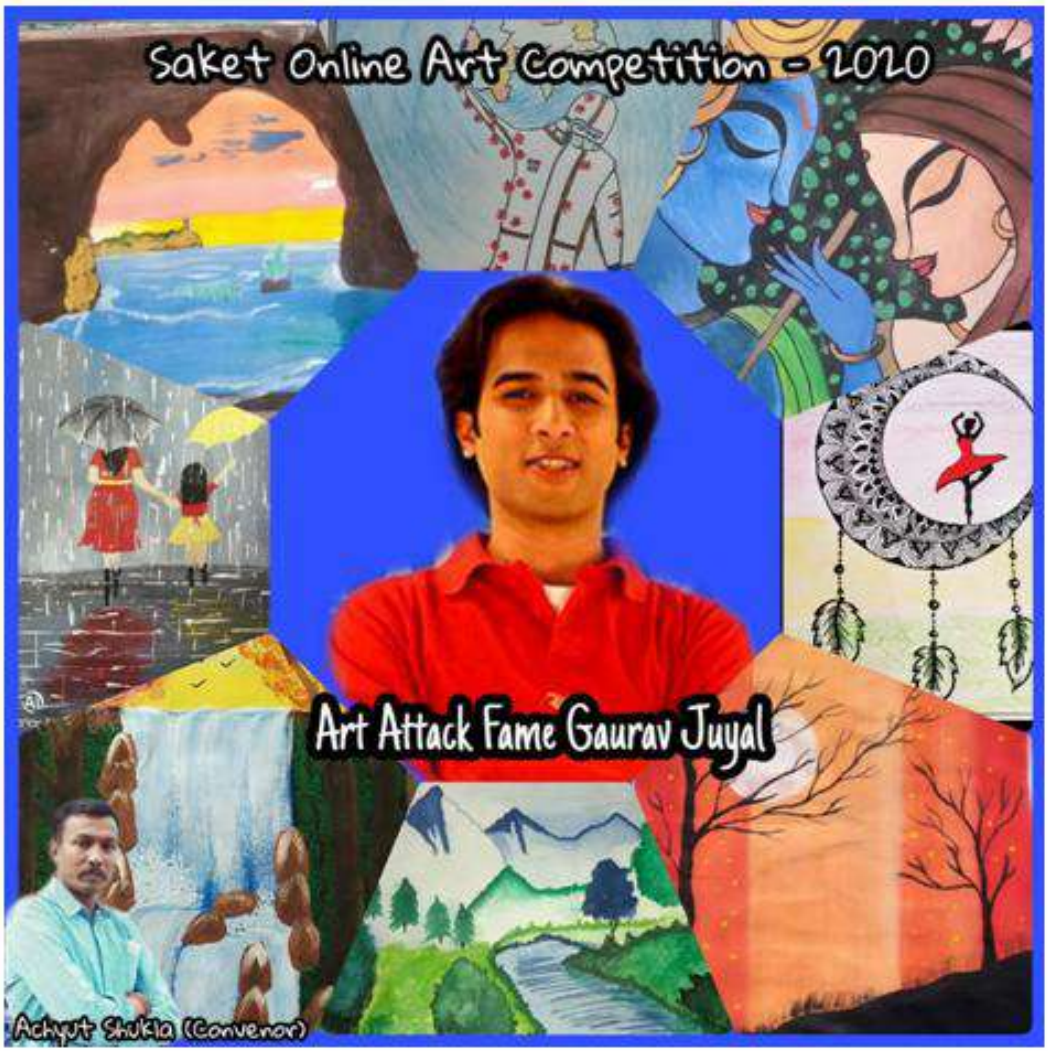
Saket Online Art Competition - 2020
Art Attack Fame Gaurav Juyal
Achyut Shukla (Convenor)

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com

न्यूज डायरी

हमें बाल मनोविज्ञान का पूरा ध्यान रखना चाहिये: गौरव जुयाल

प्रतापगढ़। साकेत ग्रुप आफ कालेज द्वारा लाइव आर्ट कम्पटीशन का आयोजन रविवार को किया गया। कम्पटीशन में निर्णायक डिजनी चैनल पर आर्ट अटैक कार्यक्रम के प्रणेता गौरव जुयाल रहे। इस दौरान गौरव जुयाल ने कला को कैरियर के रुप में प्रयोग किये जाने के टिप्स दिये।

उन्होंने कहा कि जब हम छोटे बच्चों के लिये खिलौने का निर्माण करते हैं तो हमें बाल मनोविज्ञान का पूरा ध्यान रखना होगा। उन्होंने कहा कि समूह में कार्य करना और समूह के स्किल का उपयोग करके बाजार पर पकड़ बनाना ज्यादा आसान होता है। आपके व्यापार की उन्नति इस बात पर भी आधारित होती है कि आप उपभोक्ता में कितने लोकप्रिय हैं। अपराह्न बारह बजे से डेढ़ बजे तक गौरव जुयाल बच्चों से जुड़े रहे। कार्यक्रम के संयोजक अच्युत शुक्ला ने बताया कि बच्चों के द्वारा प्रस्तुत यह चित्र बताता है कि इन्होंने कितनी मेहनत की है। अंत में प्रबंधक अरविन्द श्रीवास्तव, प्राचार्या डा0 नीलिमा श्रीवास्तव, हर्षित श्रीवास्तव ने गौरव जुयाल व सभी लोगों के प्रति आभार जताया।

बच्चों के खिलौने बनाने में भी मनोविज्ञान महत्वपूर्ण

जासं, प्रतापगढ़ : सुविख्यात आर्टिस्ट गौरव जुयाल ने कहा कि बच्चों के खिलौने बनाने में भी मनोविज्ञान महत्वपूर्ण होता है। उनकी कल्पना के अंतर्गत ही खिलौनों का आकार प्रकार और रंग रूप होना चाहिए। उन्होंने यह बात साकेत गर्ल्स कालेज गड़यघाट में आयोजित ऑनलाइन कला प्रतियोगिता में कही। बतौर निर्णायक जुयाल ने कहा कि हमारे घर परिवार और समाज के बीच जो जीव जंतु, पेड़ पौधे हैं, उन्हीं पर आधारित खिलौने बच्चों को भाते हैं। संयोजन अच्युत शुक्ल को उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए सराहा।

इस मौके पर चित्र बनाकर नुजहत जहां ने प्रथम पुरस्कार जीता। समन्विता सिंह ने द्वितीय और गौरी केसरवानी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। प्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव, हर्षित श्रीवास्तव, प्रिंसिपल डा. नीलिता श्रीवास्तव ने विचार रखे। आर्टिस्ट गौरव ने कई ऐसी वेबसाइट बताई, जिनके माध्यम से बनाई गई कला कृतियां प्रसिद्ध होकर बिक भी सकती हैं।

साकेत गर्ल्स कॉलेज की छात्रा द्वारा बनाया चित्र • सौ. साकेत गर्ल्स कालेज

web-site: www.punarjagaransamitipratapgarh.org
e-mail : saketpratapgarh@rediffmail.com

9838107210
9838503397

साकेत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज

गाय घाट रोड, दहिलामऊ, प्रतापगढ़

दिनांक : 15/06/2020

आख्या

साकेत ग्रुप आप कॉलेजेज द्वारा कार्यस्थलों पर महिला यौन उत्पीडन कारण और नियंत्रण पर वेबीनार आयोजित किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति सुश्री विजय लक्ष्मी जी रही। उन्होने भारत सरकार द्वारा बनाये गये कठोर दिशा निर्देशों और उनके अधीन निर्मित कानूनों पर विस्तार से चर्चा की, उन्होने ने कहा कि विशाखा गाइडलाईन्स अपने में महिलाओं को पूर्ण संरक्षण प्रदान करती है। हमारा समाज पुरूष प्रधान होने के कारण सामान्यत: कार्यस्थलों पर महिलाओं के ऊपर तरह-तरह के विचार व्यक्ति किये जाते है, उनके परिधान पर, रूपरंग पर, व्यक्तित्व पर किसी भी तरह की टीका-टिप्पणी विशाखा गाइडलाईन की अवहेलना है। केवल भौतिक रूप से छू लेना ही दण्डनीय नही है किसी भी प्रकार की टीका टिप्पणी भी दण्डनीय है।

साकेत गर्ल्स पी0जी0 कालेज की प्राचार्या डॉ0 (श्रीमती) नीलिमा श्रीवास्तव ने कहा कि स्त्री-पुरूष का साथ कार्य करना हमारी आर्थिक गतिविधियों का परिणाम है और जब तक उनके बीच के सम्बन्ध मर्यादाओं के अन्दर रहते है तब तक वो हास-परिहास है और जैसे ही मर्यादा की रेखा टूटती है अपराध की श्रेणी में आ जाता है। सामान्यत: वे सभी आचरण तब तक बुरे नही होते जब तक वे हमारे आर्थिक हितो के विपरीत नही होते और जैसे ही आर्थिक हितो के विपरीत हुआ वे बुरे लगने लगते है। बार-बार फर्जी शिकायतों से महिलाओं को बहुत नुकसान हुआ है क्योकि इन फर्जी शिकायतों के बीच में वास्तविक अपराध भी बढ़ जाते है और उन पर कार्यवाही नही हो पाती इसलिए महिलाओं को मजबूत कानूनी संरक्षण का उपयोग हथियार के रूप में नही बल्कि सुरक्षा के लिए करना चाहिए।

कार्यक्रम के अन्त में पूर्व मुख्य लोकायुक्त न्यायमूर्ति एच0एन0श्रीवास्तव ने अपने आशीर्वचनों में महिला अधिकारों के प्रति कानूनी संरक्षण पर विस्तार से चर्चा की। एडवोकेट श्री सुधाशु श्रीवास्तव ने आगन्तुकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। एडवोकेट श्री हर्षित श्रीवास्तव के कुशल संयोजन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ और उन्होने कहा कि महिलाओं द्वारा समस्त समाज को सीखना होगा और उनके अधिकारों के लिए हम सदैव लड़ते रहेगे।

(डॉ0(श्रीमती)नीलिमा श्रीवास्तव)
प्राचार्या

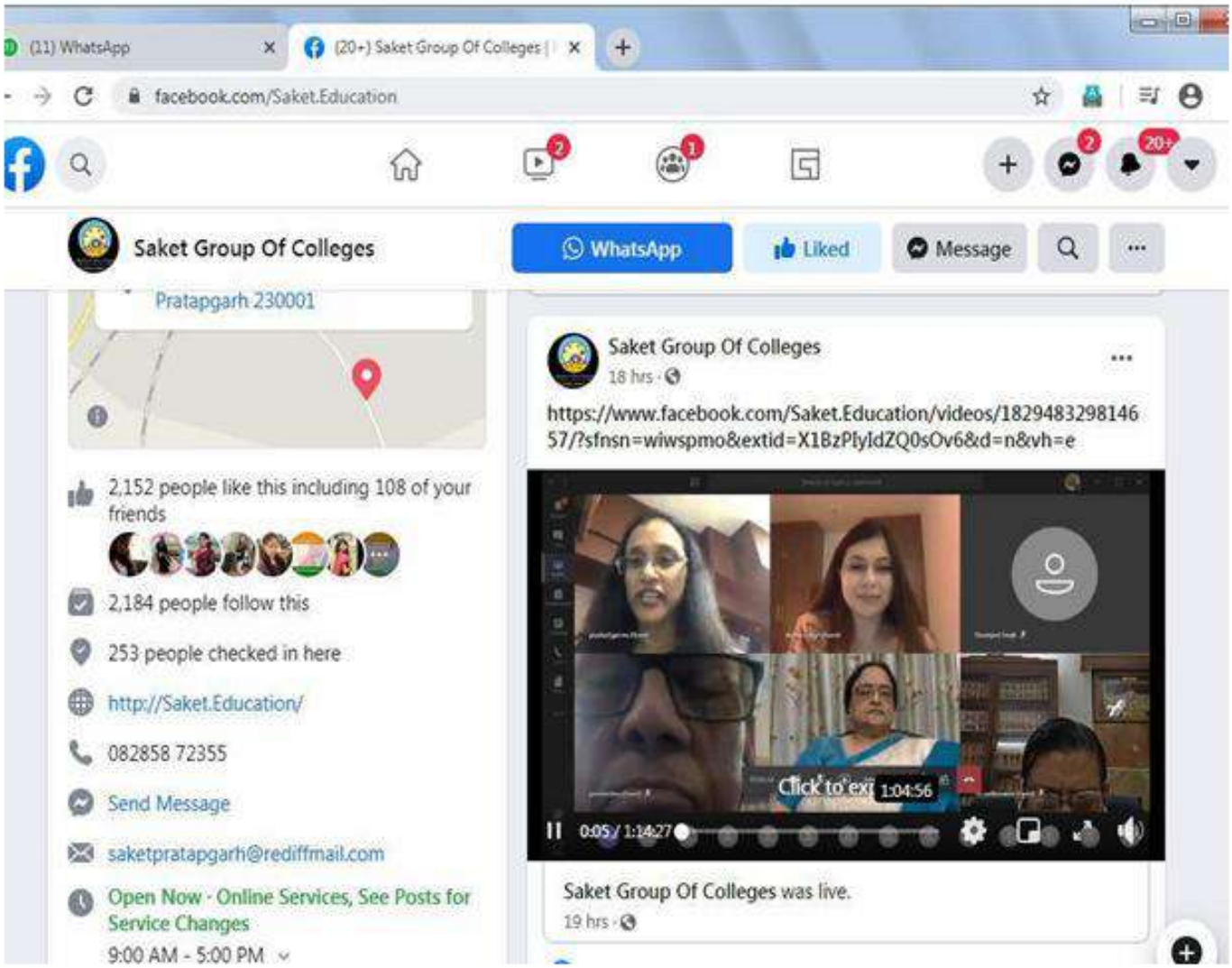
(11) WhatsApp
(20+) Saket Group Of Colleges
facebook.com/Saket.Education
Saket Group Of Colleges
WhatsApp
Liked
Message
Pratapgarh 230001
2,152 people like this including 108 of your friends
2,184 people follow this
253 people checked in here
http://Saket.Education/
082858 72355
Send Message
saketpratapgarh@rediffmail.com
Open Now - Online Services, See Posts for Service Changes
9:00 AM - 5:00 PM
Saket Group Of Colleges
18 hrs
https://www.facebook.com/Saket.Education/videos/1829483298146
57/?sfnsn=wiwspmo&extid=X1BzPlyIdZQ0sOv6&d=n&vh=e
Click to exi
1:04:56
0:05 / 1:14:27
Saket Group Of Colleges was live.
19 hrs

महिलाओं पर किसी प्रकार की टीका-टिप्पणी दण्डनीय: न्यायमूर्ति विजय लक्ष्मी

साकेत ग्रुप आफ कालेजे द्वारा आयोजित हुआ वेबीनार

प्रतापगढ़। साकेत ग्रुप आफ कॉलेजेज द्वारा सोमवार को कार्यस्थलों पर महिला यौन उत्पीडन, कारण और नियंत्रण पर वेबीनार आयोजित किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति विजय लक्ष्मी रहीं।

उन्होंने भारत सरकार द्वारा बनाये गये कठोर दिशा निदेशों और उनके अधीन निर्मित कानूनों पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि विशाखा गाइडलाईन्स अपने में महिलाओं को पूर्ण संरक्षण प्रदान करती है। हमारा समाज पुरूष प्रधान होने के कारण सामान्यतः कार्यस्थलों पर महिलाओं के ऊपर तरह-तरह के विचार व्यक्ति किये जाते है, उनके परिधान पर, रूपरंग पर, व्यक्तित्व पर किसी भी तरह की टीका-टिप्पणी विशाखा गाइडलाईन की अवहेलना है। साकेत गर्ल्स पी०जी० कालेज की प्राचार्या डॉ० नीलिमा श्रीवास्तव ने कहा कि स्त्री-पुरूष का साथ कार्य करना हमारी आर्थिक गतिविधियों का परिणाम है। कार्यक्रम के अन्त में पूर्व मुख्य लोकायुक्त न्यायमूर्ति एच०एन० श्रीवास्तव ने अपने आशीर्वचनों में महिला अधिकारों के प्रति कानूनी संरक्षण पर विस्तार से चर्चा की। सुधांशु श्रीवास्तव ने आमन्त्रकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। हर्षित श्रीवास्तव के कुशल संयोजन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

अपराध की श्रेणी में आती है महिलाओं पर टीका-टिप्पणी

संवाद न्यूज एजेंसी

साकेत में महिला यौन उत्पीड़न को लेकर हुआ वेबिनार

प्रतापगढ़ । न्यायमूर्ति विजयलक्ष्मी ने कहा है कि महिलाओं को सिर्फ छूना ही अपराध की श्रेणी में नहीं आता है, बल्कि उन पर टीका-टिप्पणी करना भी अपराध है। वह सोमवार को दहिलामऊ स्थित साकेत ग्रुप ऑफ कालेज के वेबिनार में बोल रही थीं।

महिलाओं को जागरूक करते हुए कहा कि पुरुष प्रधान देश में महिलाओं का शोषण कदम-कदम पर होता है। उन्होंने कहा कि विशाखा गाइड लाइंस महिलाओं को पूर्ण संरक्षण प्रदान करती है। इसलिए, महिलाओं को गहराई से अध्ययन करना चाहिए। साकेत कॉलेज की प्राचार्य डा. नीलिमा श्रीवास्तव ने कहा कि जब तक स्त्री-पुरुष मर्यादाओं में रहकर कार्य करते हैं, तब तक हास परिहास की श्रेणी में आता है। मगर अमर्यादित आचरण करने पर वह अपराध की श्रेणी में आ जाता है। न्यायमूर्ति एचएन श्रीवास्तव ने महिला अधिकारों का विस्तार से बताया। वेबिनार में सुधांशु श्रीवास्तव, हर्षित श्रीवास्तव का योगदान सराहनीय रहा।